प्रेस – विज्ञप्ति

आज दिनांक 14 फरवरी, 2015 को चेम्बर के सभा कक्ष में व्यापार कर विभाग के द्वारा आम व्यापारियों पर सर्वे एवं छापे डाले जाने से पीड़ित कानपुर व्यापार मण्डल एवं मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश के सदस्यगणों ने एक सभा की जिसकी अध्यक्षता श्री श्याम बिहारी मिश्रा, प्रान्तीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल व श्री नरेन्द्र शर्मा, अधिवक्ता ने की। चेम्बर के अध्यक्ष डा. इन्द्र मोहन रोहतगीजी ने सभी का कार्यशाला में हार्दिका स्वागत किया। श्री रोहतगीजी ने व्यापारियों को बताया कि वे मर्चेन्ट्स चेम्बर में माह में उद्योग व व्यापारियों की टैक्स सम्बन्धी समस्याओं को सुलझाने हेतु एक बैठक करेंगे जिसमें मर्चेन्ट्स चेम्बर के कर विशेषज्ञो से निदान दिलाये जायेगें ।

श्री नरेन्द्र शर्माजी बताया कि छापे व सर्वे का मूल कारण शासन द्वारा राजस्व का 31% लक्ष्य है। परन्तु न ही जन संख्या में वृद्वि हुई है न व्यापार में वृद्वि हुई है एवं उद्योग लग नहीं रहे हैं। अतः उद्योगों की कमी के कारण उत्तर प्रदेश एक उपभोक्ता राज्य हो गया है। फार्म–सी की कमी के चलते लोग प्रदेश के बाहर से पर्याप्त सामिग्री ही नही मंगा पा रहे है। 50 फार्म मांगने पर सिर्फ 2 फार्म ही दिये जाते हैं। पहले कर गन्तव्य स्थान पर लगाया जाता था परन्तु अब यह कर सामिग्री उत्पत्ति के स्थान पर लगता है। आशा है कि **GST** के लगने के बाद यह कर प्रणाली गन्तव्य स्थान पर ही लग पायेगा।

श्री श्याम बिहारी मिश्राजी ने कहा कि हम कानपुर उद्योग व्यापार मण्डल के व्यापारियों की पूरी मदद करेंगें जहॉ पर छापे व सर्वे की खबर मिलेगी वहॉ पर व्यापारी एक साथ मिलकर अधिकारियों को हतोत्साहित करेंगें। श्री श्याम बिहारी मिश्राजी ने बताया कि जब **VAT** का श्वेत पत्र जारी हुआ था उसमें लिखा था कि कोई भी सर्वे व छापे नहीं होंगें। और सर्वेक्षण व छापे के पहले जिलाधिकारी महोदय की आज्ञा लेनी पड़ेगी।

श्री नरेन्द्र शर्मा जी ने बताया कि सर्वे एवं छापे से व्यापारी भयभीत हैं तथा उद्योगपति भाग रहे हैं। उन्होने यह भी कहा कि राजस्व की वृद्वि न होने का एक कारण यह भी है कि माल ई–कामर्स (**filip carts**) द्वारा खरीदा जाता है।

श्री शर्मा जी ने यह भी बताया कि सर्वे व छापे के समय 2 स्वतंत्र गवाह भी उपस्थिति होने चाहिए तथा व्यापारियों को कागज पर हस्ताक्षर करने के पहले उसे अच्छी तरह पढ़ लेना चाहिए जिससे उस

कागज को व्यापारी के विरूद्व अधिकारी प्रयोग न कर सकें। उन्होने यह भी कहा कि सर्वेक्षण नोट को व्यापारी टाले नहीं। व्यापारी को तुरन्त अपने अधिवक्ता के पास पहुॅचे।
अन्त में निर्णय लिया गया कि मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश व कानपुर उद्योग व्यापार मण्डल अपने–अपने तौर तरीकों से व्यापारियों के उत्पीड़न का पूरा विरोघ करेगें।

चेम्बर के उपाध्यक्ष, श्री पदम कुमार जैनजी ने कार्यशाला में सभी उपस्थिति आगन्तुको का हार्दिक घन्यवाद दिया। कार्यशाला में सचिव श्री ए0के0 सिन्हा, कानपुर उद्योग व्यापर मण्डल के अध्यक्ष श्री मणि कान्त जैन, महामंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला, श्री मनीराम अग्रवालजी, श्री शेष नारायण द्विवेदी, श्री विजय पाण्डेय, चेम्बर व कानपुर व्यापार मण्डल के सदस्यगण उपस्थिति थे।

ए0 के0 सिन्हा
सचिव